विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

झुलसाने लगी लू और उड़ने लगे धूल के गुबार

रेतीले टीलों से आच्छादित राजस्थान सहित उत्तर भारत के अनेक प्रदेशों में लू का चलन आम बात है। अप्रैल की शुरुआत से ही गर्मी और लू ने लोगों को झुलसाना शुरू कर दिया है। गर्मी और लू के साथ धूल भरे गुबार उड़ने शुरू हो गए है। धूल भरे गुब्बारे यानि मौसमी आंधियां तब आती हैं जब तेज हवाएँ ज़मीन से बड़ी मात्रा में रेत और धूल के कण उठाती हैं तथा उन्हें लंबी दूरी तक ले जाती हैं। इन्हें राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों में जन जीवन की सामान्य घटनाएं भी कह सकते है। गर्मी के मौसम में धूल भरी आंधी और लू चलनी शुरू हो जाती है। जिसके कारण हवाओं में धूल के कण मिलकर लोगों के नाक और मुंह में जाते हैं।

इससे लोगों को धूल-मिट्टी से एलर्जी होना सामान्य बात है। धूल के गुब्बारे के कारण सड़क पर पैदल, साइकिल, बाइक व बड़े वाहनों से चलने वालों का चलना दुश्वार हो जाता है। धूल के गुब्बारे उड़ने से सड़क पर घने कोहरे जैसा आलम पूरे दिन बना रह रहा है। इस रास्ते से खासकर बाइक, पैदल व साइकिल से गुजरने वाले लोग गर्द-गर्द हो धूल में नहाये से दिखने लग रहे हैं। वहीं धूल प्रदूषण का खतरा भी उत्पन्न हो जाता है। जिसके कारण इस सड़क किनारे बसी बस्तियों के लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। विशेषकर रेतीले क्षेत्रों में लोगों के घरों में बिस्तर से लेकर भोजन तक सड़क की धूल फैल सी जा रही है। जिससे लोगों का अपने घरों में रहना भी मुश्किल सा हो गया है। इसी के साथ पानी की किल्लत और बिजली की आँख मिचौली ने कोढ में खाज का काम किया है।

मौसम विभाग ने लू यानि हीटवेव का अलर्ट जारी कर दिया है। चिकित्सकों के मुताबिक धूल भरी आंधी और गुबार से नाक, नासिका, एलर्जी व रेस्पीरेटरी इंफेक्शन होने का आशंका बढ़ जाती है। धूल के कण सांस के साथ फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। इस कारण दमा व अस्थमा एवं दमा के रोगियों को भारी तकलीफ होती है। यही नहीं धूल के कण आंखों में चले जाने से आँखों की बीमारी का खतरा मंडराता है। गर्मी और गर्म हवाएं शरीर में अक्सर ऐसा असर डालती हैं, जिस वजह से जानलेवा स्थिति उत्पन्न हो जाती है। लू लगना भी इन्हीं स्थितियों में से एक है। धूप, गर्मी और गर्म हवा से शरीर को बचाकर ही हम इस स्थिति से बच सकते हैं। साल-दर-साल लू लगने से मरने वालों के आंकड़े में इजाफा होता ही जा रहा है। इसलिए, खुद को लू से बचाने के लिए लू लगना क्या होता है और इससे संबंधित अन्य सभी जानकारियों के बारे में पता होनी जरूरी है, क्योंकि, इलाज से बेहतर हमेशा बचाव होता है। लू के समय तापमान 45 डिग्री सेंटिठोड तक जा सकता है।

गर्मी में खूब तरल पदार्थ का सेवन करें। प्रतिदिन 8 से 10 गिलास पानी जरूर पिएं। नारियल पानी, फलों से तैयार जूस पीना भी फायदेमंद होगा। दिन के समय खासकर 12 बजे से लेकर 3 बजे दिन तक घर से निकलने से बचें। धूप में बाहर बिना काम के ना घूमें। बहुत जरूरी काम से बाहर जाना पड़े तो छाता, टोपी, चश्मा, स्कार्फ पहनकर ही निकलें। घर आते ही ठंडा पानी पीने से बचें।

गर्मियों के इस मौसम में लू चलना आम बात है। लू लगना गर्मी के मौसम की बीमारी है। लू गर्मी की एक समस्या है। इसका समय पर इलाज भी जरूरी है। इस दौरान हमारे शरीर का तापमान तेजी से बढ़ता है। बाहरी तापमान और गर्म हवा की वजह से शरीर ठंडा नहीं हो पाता और शरीर का तापमान 106 डिग्री फेरनहाइट या इससे भी ज्यादा हो जाता है। लू लगना, आतप ज्वर, ऊष्मा-मूर्छा (हीट स्ट्रोक या सन स्ट्रोक) शरीर की वह रुग्ण अवस्था है। लू लगने पर सिर में भारीपन महसूस होता है। खून का बहाव बॉडी में बहुत तेजी से होता है। सांसे काफी तेज चलती हैं। ऐसा लगता है जैसे शरीर टूट रहा है। अचानक से काफी तेज बुखार के साथ आंखों में भी जलन होती है और पानी आता है। लू के थपेड़े तन झुलसा रहे हैं। लू से शरीर की कार्यप्रणाली प्रभावित हो जाती है। जनहानि भी हो सकती है, इससे बचाव बहुत ही जरूरी है। धूप में घर से बाहर निकलें तो पानी पीकर और शरीर को पूरा ढंकने वाले कपड़े पहनें। धूप में छाते का इस्तेमाल करें। तरल पदार्थों का सेवन करते रहें। स्वास्थ्य खराब होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर दिखाएं। लू लगे व्यक्ति को छाया में, पंखे या कूलर के सामने लिटाएं। शरीर का तापमान कम करने के लिए गर्दन, सिर और पेट पर ठंडे पानी से गीला कपड़ा रखें।

लू लगने पर अगर तुरंत उपचार न मिले, तो मृत्यु या स्थायी विकलांगता भी हो सकती है। बड़े-बुजुर्ग कहते है गर्मी के दिनों में हल्का व शीघ्र पचने वाला भोजन करना चाहिए। चिकित्सक कहते है लू से बचने के लिए बाहर जाते समय खाली पेट नहीं जाना चाहिए। बार-बार पानी पीना चाहिए ताकि शरीर में जल की कमी नहीं होने पाए। पानी में नींबू व नमक मिलाकर दिन में दो-तीन बार पीते रहने से लू नहीं लगती। गर्मी के दौरान नरम, मुलायम, सूती कपड़े पहनना चाहिए जिससे हवा और कपड़े शरीर के पसीने को सोखते रहते हैं। प्याज का सेवन भी अधिक करना चाहिए एवं बाहर जाते समय कटे प्याज को जेब में रखना चाहिए। गर्मी में खूब तरल पदार्थ का सेवन करें। घर से बाहर निकल रहे हैं, तो अपने साथ पानी की बॉटल रखें। प्रतिदिन 8 से 10 गिलास पानी जरूर पिएं। नारियल पानी, फलों से तैयार जूस पीना भी फायदेमंद होगा। दिन के समय खासकर 12 बजे से लेकर 3 बजे दिन तक घर से निकलने से बचें। धूप में बाहर बिना काम के ना घूमें। बहुत जरूरी काम से बाहर जाना पड़े तो छाता, टोपी, चश्मा, स्कार्फ पहनकर ही निकलें। घर आते ही ठंडा पानी पीने से बचें। इससे आपको सर्द-गर्म लग सकता है। सर्दी, जुकाम, बुखार भी हो सकता है। हल्का, पौष्टिक और आसानी से पचने वाला भोजन करें। उन मौसमी फलों का सेवन करें, जिसमें पानी की मात्रा अधिक होती है। खरबूजा, तरबूज, नारियल, खीरा, ककड़ी, शिमला मिर्च में पानी की मात्रा अधिक होती है। इन्हें प्रतिदिन अपनी डाइट में शामिल करें।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुंद ओझा,
वरिष्ठ लेखक और पत्रकार

राशिफल शनिवार 26 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रातः 6:27 तक, वैधृति योग प्रातः 8:41 तक, वणिज करण प्रातः 8:28 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:39 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा प्रातः 8:28 से सायं 6:39 तक है। आज मास शिवरात्रि है। आज चतुरदशी तिथि का क्षय हुआ है। पंचक रात्रि 3:39 तक है। आज वैधृति पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:34 से 9:11 तक, चर 12:25 से 2:02 तक, लाभ अमृत 2:02 से 5:16 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:57, सूर्यास्त 6:53

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिलेगी।

मीन
पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

भारत ने बांग्लादेश को कड़ा झटका दिया, ट्रांसशिपमेंट सुविधा बंद करने से ढाका की अर्थव्यवस्था डगमगाई

सुनील दत्त गोयल

मोहम्मद यूनुस, जिन्हें एक 'डीप स्टेट' का समर्थक माना जाता है, शायद यह भूल गए हैं कि यह भारत अब पहले जैसा नहीं रहा। ना तो उन्हें व्यापार का ज्ञान है, ना ही राजनीति की उतनी समझ है जितनी होनी चाहिए। आज का भारत पहले से कहीं अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर है। वह अब किसी भी प्रकार के दबाव की राजनीति में नहीं आता। यूनुस यदि अपने कंधे दूसरों को इस्तेमाल करने के लिए देते रहेंगे, तो यह न केवल बांग्लादेश के लिए खतरा बन सकता है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन को भी बिगाड़ सकता है।

उन्हें समझना चाहिए कि बांग्लादेश की राजनीतिक दिशा कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जिस पर बाहरी सलाह या प्रभाव के आधार पर काम किया जाए। यदि वे अपने देश की नीतियों को किसी अन्य देश की सलाह पर आधारित करेंगे, तो वह दिन दूर नहीं जब बांग्लादेश भी ग़लत राह पर चल पड़ेगा – शायद उसी 'कंगाली' के रास्ते पर, जिस पर पहले भी कई देश फिसल चुके हैं। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में अचानक तल्खी आ गई है। भारत ने बांग्लादेश को दी जाने वाली बहुप्रतीक्षित ट्रांसशिपमेंट सुविधा पर रोक लगाकर एक स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया है – 'राष्ट्रहित सर्वोपरि है।' यह निर्णय उस समय आया है जब बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने चीन में भारत विरोधी बयान दिए। परंतु यह केवल एक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक रणनीतिक चाल है, जिसका दूरगामी असर बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला है।

ट्रांसशिपमेंट सुविधा क्यों थी बांग्लादेश के लिए जीवनरेखा?

बांग्लादेश, विशेषकर रेडीमेड गारमेंट्स और फुटवियर उद्योग के लिए भारत का लॉजिस्टिक सहयोग एक जीवनरेखा जैसा था। बांग्लादेश के बंदरगाह – चटगांव और मोंगला – सीमित क्षमता के कारण अत्यधिक भीड़भाड़ और समय की बर्बादी से जूझते हैं। ऐसे में भारत के कोलकाता, दिल्ली, मुंबई और अन्य बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से ट्रांसशिपमेंट सुविधा मिलने से बांग्लादेश को यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया के बाजारों तक तेज़ और सस्ते निर्यात की सुविधा मिली थी।

भारत के जरिए होने वाले ट्रांसशिपमेंट से न केवल समय और लागत में कमीआई, बल्कि बांग्लादेशी निर्यातकों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहने का मौका दिया। यही कारण था कि वर्ष 2024 में केवल पेट्रापोल सीमा से 357 करोड़ मूल्य का ट्रांसशिपमेंट हुआ।

भारत का कड़ा फैसला – कारण केवल यूनुस के बयान नहीं

हालांकि यूनुस के बयान ट्रिगर प्वाइंट साबित हुए, लेकिन भारत के इस फैसले के पीछे कई अन्य रणनीतिक पहलू भी हैं:

पूर्वोत्तर राज्यों को 'लैंडलॉक्ड' बताकर दबाव की रणनीति अपनाना: यूनुस ने यह कहा कि भारत के पूर्वोत्तर राज्य समुद्र से कटे हुए हैं और उन्हें केवल बांग्लादेश के रास्ते ही दुनिया से जोड़ा जा सकता है। यह एक रणनीतिक ब्लैकमेल की कोशिश थी, जिसे भारत ने अस्वीकार कर दिया।

चीन को आमंत्रण: यूनुस ने बांग्लादेश में चीनी निवेश को बढ़ावा देने का अनुरोध किया, जो भारत के लिए सुरक्षा और भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से गंभीर चिंता का विषय है।

सीमा सुरक्षा पर बढ़ती चिंताएं: बांग्लादेश की सीमा से अक्सर अवैध घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी, और रोहिंग्या शरणार्थियों की समस्या जैसे मुद्दे भारत को परेशान करते हैं।

भारत के फैसले के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव – बांग्लादेश के लिए विनाशकारी परिदृश्य

1. गारमेंट इंडस्ट्री पर सीधा प्रहार:– बांग्लादेश की जीडीपी का लगभग 16 प्रतिशत और कुल निर्यात का 83 प्रतिशत रेडीमेड गारमेंट्स से आता है। यदि भारत के रास्ते शिपिंग रुकती है, तो समय और लागत दोनों में तेज़ी से वृद्धि होगी। इससे बांग्लादेश की प्रतिस्पर्धात्मकता घटेगी और ऑर्डर्स वियतनाम, कंबोडिया व भारत जैसे प्रतिस्पर्धियों को मिल सकते हैं।

2. विदेशी निवेश में गिरावट:– विदेशी कंपनियाँ, जो अब तक बांग्लादेश को एक कम लागत वाला मैन्युफैक्चरिंग हब मानती थीं, भारत से दुश्मनी और चीन के साथ बढ़ती नज़दीकियों को देखकर निवेश कम कर सकती हैं। राजनीतिक अस्थिरता का डर विदेशी पूंजी को दूर धकेल सकता है।

3. भूगोलिक निर्भरता अब अभिशाप बनेगी:– बांग्लादेश, भारत से तीन ओर से घिरा हुआ है। भारत से संबंध खराब होने का मतलब है – भूमि, वायु और जलमार्गों तक सीमित पहुंच। कोई भी वैकल्पिक मार्ग जैसे चीन के जरिए निर्यात, न केवल महंगे हैं, बल्कि अव्यवहारिक भी।

4. भारतीय टूरिज़्म और मेडिकल वीज़ा का बंद होना:– हजारों बांग्लादेशी नागरिक भारत में इलाज के लिए आते हैं। अगर संबंध बिगड़े तो मेडिकल वीज़ा, उच्च शिक्षा और टूरिज्म वीज़ा बंद हो सकते हैं, जिससे मध्यम वर्ग पर सीधा असर होगा।

5. रोज़गार में भारी गिरावट:– गारमेंट इंडस्ट्री से जुड़े करोड़ों लोगों की नौकरियों पर संकट आ सकता है। पहले से ही महंगाई और बेरोज़गारी की मार झेल रहा बांग्लादेश सामाजिक अशांति की ओर बढ़ सकता है।

6. भूटान, नेपाल और म्यांमार के व्यापार मार्ग भी बंद हो सकते हैं:– बांग्लादेश भारत के माध्यम से भूटान और नेपाल को भी वस्तुएं भेजता था। भारत के रास्ते बंद होने से ये बाजार भी खो सकते हैं।

7. भारत के साथ व्यापार घाटा बढ़ेगा, लेकिन व्यापार खत्म हो सकता है:– बांग्लादेश भारत से हर साल लगभग 13-14 अरब डॉलर का सामान आयात करता है। यदि भारत प्रतिबंध लगाता है तो रोज़मर्रा की ज़रूरतें जैसे दवाइयाँ, मसाले, इंजीनियरिंग सामान और औद्योगिक मशीनरी महंगे या दुर्लभ हो सकते हैं।

भारत को क्या फायदा?

अपने बंदरगाहों पर लोड कम करके भारतीय निर्यातकों को बढ़त मिलेगी। गारमेंट, फुटवियर, इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भारत की ग्लोबल हिस्सेदारी बढ़ेगी। भूटान और नेपाल के साथ रणनीतिक संबंध और मजबूत होंगे। चीन और बांग्लादेश की नज़दीकी को नियंत्रित करने का दबाव बनाए रखा जा सकेगा।

निष्कर्ष: दुश्मनी की कीमत भारी पड़ेगी

बांग्लादेश को यह समझना होगा कि भारत से कूटनीतिक और भू-राजनीतिक दुश्मनी का सीधा असर उसकी अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ेगा। हर छोटे और विकासशील देश को यह समझना चाहिए कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते में अपने पड़ोसी देश की क्षमताओं, हितों और सुरक्षा को ध्यान में रखना ज़रूरी होता है। पड़ोसी देश हमेशा पड़ोसी रहेंगे, और अच्छे संबंध ही स्थायी हित में होते हैं। पाकिस्तान का उदाहरण सामने है, जिसने पिछले 75 वर्षों में भारत के साथ आतंकवाद और अनुचित व्यवहार को ही चुना – और आज वही आतंकवाद पाकिस्तान की नीयत और हालत पर भारी पड़ रहा है।

भारत ने अपने रुख से यह साफ कर दिया है कि वह अब सॉफ्ट स्टेट नहीं रहा। यदि कोई देश उसकी सुरक्षा, भू-रणनीति या वर्चस्व को चुनौती देता है, तो भारत प्रतिरोध करने को तैयार है – और अब वह प्रतिरोध न केवल शब्दों में बल्कि रणनीतिक नीतियों के ज़रिए होगा। मोहम्मद यूनुस को यह समझना चाहिए कि वह फिलहाल केवल बांग्लादेश सरकार के एक सलाहकार हैं, प्रधानमंत्री नहीं। उनका चयन चुनाव के माध्यम से नहीं हुआ है, बल्कि एक प्रक्रिया द्वारा नामांकित किया गया है। उन्हें अपनी सीमाएं, मर्यादाएं और जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। अगर वह अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए कार्य करेंगे, और बांग्लादेश के हित में सोचेंगे, तभी उनका देश भी सशक्त बन पाएगा – अन्यथा यह केवल किसी अन्य देश के हित साधन का माध्यम बन जाएगा।

धन्यवाद,
–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
जयपुर, राजस्थान

प्रस्तावित जीएसएस का सर्वे करने विद्युत विभाग की टीम सरदारपुरा पहुंची

ग्रामीणों ने पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया से मिलकर विद्युत आपूर्ति की कटौती को लेकर समस्या रखी थी, जिसका पूनिया ने समाधान करवाया

सादुलपुर, (निसं)। सरदापुरा गांव में प्रस्तावित 33/11 केवी जीएसएस के लिए भूमि देखने के लिए शुक्रवार को गांव सरदारपुरा में जोधपुर विद्युत वितरण निगम की टीम पहुंची। जिसमें निगम के जेईएन के नेतृत्व में विभाग की टीम ने हमरीवास से रामपुरा मुख्य सड़क मार्ग पर सरदारपुरा गांव के रामस्याह वाला जोहड़ में पहुंचकर मौका निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार गत कुछ दिनों पहले सरदारपुरा गांव के ग्रामीण पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान व वर्तमान भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया से मिलकर विद्युत आपूर्ति की कटौती को लेकर समस्या रखी थी। ग्रामीणों ने सरदारपुरा हमीरवास के मध्य रामपुरा मुख्य सड़क मार्ग पर 33/11 केवी जीएसएस बनाने की मांग की थी। जिसको लेकर डॉ. सतीश पूनिया ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तुरन्त ऊर्जा मंत्री से दूरभाष पर वार्ता कर सरदारपुरा गांव में जीएसएस बनवाने के लिए कहा। इसी के चलते ऊर्जा मंत्री के आदेश पर आज प्रस्तावित जीएसएस के निरीक्षण के लिए विद्युत विभाग की टीम सरदारपुरा गांव में पहुंची और मौका निरीक्षण किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता ब्लॉक मेम्बर प्रतिनिधि वेदप्रकाश पूनिया बेवड ने निगम के अधिकारियों को कहा कि किसानों एवं ग्रामीणों की समस्या को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द प्रपोजल तैयार कर के ऊर्जा मंत्री को भिजवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्या को ध्यान में रखते हुए में स्वयं मॉनेटरिंग करूंगा। इस मौके पर सरदारपुरा गांव के ग्रामीणों ने विद्युत विभाग की टीम को वेदप्रकाश पूनिया के माध्यम से समस्त ग्रामीणों की तरफ से मेजरनामा तथा ग्राम पंचायत हमीरवास की तरफ से जारी एनओसी दी गई। ग्रामीणों ने वेदप्रकाश पूनिया बेवड को गांव की समस्यों से भी अवगत करवाया और डॉ. सतीश पूनिया एव वेदप्रकाश पूनिया का आभार व्यक्त किया। सरदारपुरा गांव की समस्याओं को सुनकर वेदप्रकाश पूनिया ने जल्द से जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया।

इस मौके पर विहिप जिला सह मंत्री प्रवीण सरदारपुरा, आशाराम पूनिया, हरिसिंह पूनिया, रघुवीर सिंह, बलबीर पूनिया, मीरसिंह पूनिया, रामकुमार, सोमवीर पूनिया, अशोक पूनिया, राजेन्द्र पूनिया, जसपाल पूनिया, रामफल, विनोद पूनिया, बबलू श्योराण, रमेश मेघवाल, सुमित कुलडिया, तस्वीर पूनिया, सुरेंद्र पूनिया, सुमित पूनिया, कुलदीप पूनिया, प्रशान्त पूनिया, पृथ्वीसिंह, विक्रम, नवीन सहित दर्जनों अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

गांव सरदारपुरा में प्रस्तावित जीएसएस के लिए निगम के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने निरीक्षण किया

वणधर गांव में छह माह से बिजली संकट, ग्रामीण परेशान

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। वणधर गांव के निवासी पिछले छह महीनों से गंभीर बिजली संकट का सामना कर रहे हैं। गर्मियों के मौसम में पिछले 20-25 दिनों से बिजली की आपूर्ति इतनी कमजोर हो गई है कि पंखे और कूलर जैसे आवश्यक उपकरण भी ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं।

- **20-25 दिनों से बिजली की आपूर्ति इतनी कमजोर हो गई है कि पंखे और कूलर भी ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं**
- **लोगों का कहना है कि बिजली लोड की कमी के चलते कई उपकरण खराब हो चुके हैं**

स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली लोड की कमी के चलते कई उपकरण खराब हो चुके हैं, जिससे बड़े-बुजुर्ग और बच्चों को अत्यधिक गर्मी में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में पहले मौजूद ट्रांसफार्मर अनियमित रूप से हटाए गए या चोरी हो गए, जिससे स्थिति और भी बदतर हो गई है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से इसकी जांच कराने और उच्चाधिकारियों को मौके पर भेजकर वास्तविकता का पता लगाने की मांग की है। इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए वणधर के नागरिकों ने प्रशासन से अतिशीघ्र नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो ग्रामवासी धरना-प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल करने को मजबूर होंगे, जिसकी संपूर्ण ज़िम्मेदारी सरकार एवं विद्युत विभाग की होगी।

ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि बिजली आम जनता की मूलभूत आवश्यकता है और इसे लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हम जल्द ही प्रशासन से ठोस कार्यवाही की उम्मीद करते हैं। इस मौके पर एडवोकेट ललित राजपुरोहित के नेतृत्व में ग्रामवासी सेवानिवृत्त अध्यापक विजयराज शर्मा, नारायण प्रजापत, गोपाल पुरोहित, रविन्द्र सुथार, नरेंद्र दर्जी, नरपत पुरोहित, भंवरलाल पुरोहित सहित ग्रामवासियों ने उपखण्ड अधिकारी रानीवाड़ा को ज्ञापन दिया।

समस्या के समाधान को लेकर ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी रानीवाड़ा को ज्ञापन दिया।

आरएएस भर्ती के साक्षात्कार का द्वितीय चरण पांच से

साक्षात्कार की विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा शुक्रवार को राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2023 के अन्तर्गत द्वितीय चरण सहित अन्य भर्ती परीक्षाओं का साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

- **आयोग ने अन्य विभिन्न परीक्षाओं का साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया**

आयोग सचिव ने बताया कि राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2023 के द्वितीय चरण के साक्षात्कार का आयोजन 5 से 16 मई तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा। इस भर्ती के लिए साक्षात्कार में उपस्थित होने वाले समस्त अभ्यर्थी ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें।

अन्य विभिन्न परीक्षाओं का साक्षात्कार कार्यक्रम :- सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) परीक्षा- 2023 के अन्तर्गत ड्राइंग एंड पेंटिंग विषय के साक्षात्कार का आयोजन 5 से 19 मई 2025, स्कल्पचर विषय के साक्षात्कार का आयोजन 6 मई तथा फिलॉसफी विषय के साक्षात्कार का आयोजन 27 एवं 28 मई को किया जाएगा। विधि रचनाकार (विधि एवं विधिक कार्य विभाग) परीक्षा-2024 के साक्षात्कार का आयोजन 7 एवं 8 मई को निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा।

इन भर्तियों के अन्तर्गत ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, वे अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग वेबसाइट से डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें। उक्त समस्त भर्तियों के तहत संबंधित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे।